LOK SABHA

Monday, 28th February, 1955

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पंहाती क्षेत्रों में मनिआर्डरों का वितरण

*२८२. **श्री भक्त दर्शन** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह शिकायत मिली हैं कि अनेक ग्रामीण डाक घरों में मनीआर्डर बहुत लम्बा समय बीत जाने पर वितरित किये जाते हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस परिस्थिति में सुधार करने के लिये कौन कौन से विशेष उपाय किये गये हैं ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर): (क) जी, हां, कहीं कहीं ।

(ख) (१) जहां-कहीं आवश्यक हो गांव में डाकिए को कई बार भेजा जाय ।

(२) छोटे डाक-घरों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जाय ।

(३) जहां-कहीं ब्रांच पोस्टमास्टरों के कार्य में शिथिलता पाई जाय वहां अधिक निगरानी की जाय ।

श्री भक्त दर्शन : क्या माननीय मंत्री महोदय ने इस सुझाव पर भी विचार किया हैं कि मनीआर्डरों के वितरण में देरी होने का एक मुख्य कारण यह हैं कि एक्सट्रा डिपार्टमेंटल एजेंटों व पोस्टमैनों को बहुत कम परिमाण में रुपये ले जाने का अधिकार हैं, इसलिये उनसे और अधिक जमानत लेकर भी उन्हें विभागीय पोस्टमास्टरों व पोस्टमैनों के बराबर रुपये ले जाने का अधिकार दिया जाय ?

श्री राज बहादुर : एक विलेज पोस्टमैन कुल २५० रुपये की रकम के मनीआर्डर ले जा सकता हैं, उसमें भी कोई मनीआर्डर ५० रुपये से ज्यादा का वह नहीं ले जा सकता हैं । उनको उतनी रकम दिये जाने में जो एक सबसे बड़ी समस्या हैं, वह हैं उनकी सुरक्षा की, इसलिये इस पर विचार अभी दुशवार हैं ।

श्री भक्त दर्शन : क्या माननीय मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात भी आई हैं कि कई एक्स्ट्रा डिपार्टमेंटल सब व ब्रांच पोस्ट आफिसों के पोस्टमास्टर मनीआर्डरों के रुपये अपने व्यापार में लगा देते हैं और फलस्वरूप ग्रामीणों को बहुत देर से वे मनीआर्डर वितरित किये जाते हैं, क्या इस प्रकार के दोषी पोस्टमास्टरों के विरुद्ध कोई विशेष कार्यवाही की गई हैं या कार्यवाही करने का विचार किया जा रहा हैं ?

श्री राज बहादुर : ऐसी शिकायत विशेष रूप से कोई नहीं मिली, यदि माननीय सदस्य के नोटिस में कोई ऐसी शिकायत आई हो और मुझ तक भिजवाने की कृपा करेंगे, तो मैं बड़ा आभारी हूंगा ।

Shri T. B. Vittal Rao: May I know if it is a fact that there are three lakhs of villages in India where the mails are delivered only once in a week and so, in such places, what is the average time taken to deliver money orders?

Shri Raj Bahadur: About a couple of years ago, there were thousands and thousands of villages—I think about a lakh or so —where the postmen never went or never visited them. They were known as 'no dak' villages. We have now eliminated these 'no dak' villages and there is now not a single village anywhere in the country which the postman does not visit at least once a week.

CENTRAL TRACTOR ORGANISATION

*284. **Shri Dabhi:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1002 on the 10th December, 1954 and state:

(a) whether Government have since taken any decision on the various recommendations on the working of the Central Tractor Organisation made by the Estimates Committee in their Seventh Report; and

(b) if so, the nature of the decisions taken?

The Minister of Agriculture (Dr. P. S. Deshmukh): (a) and (b). Government have not yet completed examination of the Report. The matter is expected to be finalised very shortly.

Shri Dabhi: May I know the approximate time that the Government will take for examining the matter and arriving at a conclusion?

Dr. P. S. Deshmukh: I expect it would not take more than about two weeks.

सेठ गोविन्द दास : इसमें कितने ट्रैक्टर ऐसे हैं कि जो अतिरिक्त हिस्सों के न मिलने कारण बेकाम पड़े हुए हैं और इन अतिरिक्त हिस्सों को प्राप्त करने के लिये क्या प्रयत्न किया जा रहा है ?

डा० पी० एस० देशमुख : शायद मेम्बर साहब को मालूम होगा कि मैंने इसका जवाब चन्द रोज हुए दिया था, पिछले सेशन में दिया था कि फिलहाल सेंट्रल ट्रैक्टर आरगनाइजेशन में कोई ऐसा ट्रैक्टर नहीं हैं जो हम इस्तेमाल नहीं करते हैं, जो हमें सरप्लस हैं या काम में नहीं आ सकता हैं वह हमने डिस्पोजल की तरफ भेज दिये हैं।

श्री गिडवानी : क्या माननीय मंत्री को मालूम हैं कि सेंट्रल ट्रैक्टर आरगनाइजेशन के गोदाम में कई ट्रैक्टर पड़े हैं जो धूप में और वर्षा में पड़े हैं, किसी काम में आने वाले नहीं हैं और जंग भी लगा हुआ हैं ?

डा० पी० एस० देशमुख : यह शायद हालत चन्द दिनों के पहले थी। जहां तक मुझे इल्म हैं, अब ऐसा नहीं हैं।

Shri Kelappan: May I know if any amounts from the State Governments have been collected since 31st March, 1954?

Dr. P. S. Deshmukh: I would like to have notice.

AGREEMENT WITH AUTOMATIC TELEPHONE AND ELECTRIC COMPANY LTD.

*285. **Shri Jhulan Sinha:** Will the Minister of **Communications** be pleased to state whether any action has been taken on the suggestions made by the Public Accounts Committee to get the agreement with the Automatic Telephone and Electric Company Ltd. revised in respect of the points enumerated by the Committee in their Tenth Report?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): A statement is laid the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix II, annexure No. 34].

Shri Jhulan Sinha: In view of the remarkes against item 3 of the statement, namely, "This will be kept in view while entering into such agreements in future", may I know if it is not possible to have this clause revised in the agreement itself?

Shri Raj Bahadur: The agreement was concluded as early as 1913, and any modification therein can be effected only by mutual agreement of both the parties. It is not quite certain